जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 88 प्रभात उदयपुर, गुरूवार 30 जनवरी, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

महाकुंभ में बैरिकेड्स टूटने से मची भगदड़, 30 मरे 60 घायल

25 मृतकों की शिनाख्त हो गई है, 5 की पहचान के प्रयास चल रहे हैं

- पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने बताया कि मृतकों में सर्वाधिक 19 लोग यूपी के हैं, इसके अलावा कर्नाटक के 4 तथा गुजरात व असम के एक-एक श्रद्धालु की मौत हुई है।
- ब्रह्म मुहूर्त से पूर्व रात्रि 1 से 2 बजे के बीच अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे बैरिकेड्स टूट गए, श्रृद्धालु बैरीकेड्स फांदकर दूसरी ओर वहाँ पहले से स्नान का इंतज़ार कर रहे लोगों को रौंदते चले गए।
- मेला प्रशासन ने हैल्पलाइन नम्बर 1920 जारी किया, जिस पर घायलों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ स्थल पर भगदड़ में 30 लोग मारे गये व 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ नगर, 29 जनवरी। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर मंगलवार और बुधवार की आधी रात को बेरीकेड टूटने की घटना के बाद मची भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी, जबकि 60 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये।

पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुये कहा कि मरने वालों में 25 की शिनाख्त कर ली गयी है, जबकि पांच की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगदड़ में मरने वालों में यूपी के सबसे ज्यादा 19, कर्नाटक के 4, गुजरात और असम के एक-एक श्रद्धालु हैं। कुछ घायलों के परिजन अपने मरीजों को लेकर चले गये हैं, जबकि 36 का इलाज स्थानीय मेडिकल कालेज में किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त से पूर्व प्रात: एक से दो बजे के बीच मेला क्षेत्र में अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ का दवाब बना और इस दवाब से दूसरी ओर के बेरीकेड टूट गये, लोग बेरीकेड फांद कर दूसरी ओर आ गये, जहां श्रद्धालु ब्रह्म मुहूर्त का इंतजार कर रहे थे, भीड़ ने इन लोगों को नहीं देखा और उनको कुचलना शुरु कर दिया। यद्यिप प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य करते हुये भीड़ को काबू किया और एबुंलेंस से 90 घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी। वैभव कृष्ण ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये मेला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया है, जिस पर घायलों के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस समय स्थिति पूरी तरह सामान्य है। हादसे के बाद सरकार के अनुग्रह पर अखाड़ों ने अपना पूर्व निर्धारित अमृत स्नान स्थगित कर दिया था। फिर हालात सामान्य होने पर दोपहर को सभी 13 अखाड़ों ने अमृत स्नान किया। इस दौरान संगम में साधु -संतों पर हैलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। मुख्यमंत्री योगी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

योगी ने महाकुंभ हादसे पर जाँच आयोग का गठन किया

महाकुंभ नगर, 29 जनवरी। महाकुंभ में बेरीकेड टूटने के कारण हुये हादसे से दुखी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तमाम सुरक्षा उपाय करने के बावजूद भीड़ के दवाब में हुआ हादसा मार्महत करने वाला है। योगी ने कहा कि घटना की जांच के लिये हमने पूर्व न्यायाधीश हर्ष कुमार की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच आयोग गठित किया है जिसमें पूर्व डीजी वीके गुप्ता और रिटायर्ड आईएएस डीके सिंह शामिल हैं। इसके अलावा सरकार पुलिस से अलग से हादसे के कारणों की

- सरकार प्रत्येक मृतक आश्रित को 25 लाख रू. की आर्थिक मदद करेगी।
- रात करीब एक से दो बजे के बीच श्रृद्धालु बैरिकेड्स पार कर दूसरी ओर आ गये और वहाँ पहले से स्नान का इंतज़ार कर रहे लोगों को रौंदते चले गये।

जांच करायेगी। सरकार प्रत्येक मृतक आश्रित को 25 लाख रुपये की आर्थिक मदद देगी।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में भावुक होते हुये कहा कि प्रशासन को पता था कि महाकुंभ में आठ करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचेंगे और इसके लिये तमाम बंदोबस्त भी कर लिये गये थे मगर ब्रह्म मुहूर्त से पहले रात करीब एक से दो बजे के बीच श्रद्धालु बेरीकेड्स फांद कर दूसरी ओर आ गये और वहां पहले से स्नान का इंतजार कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस इतनी देर से सक्रिय क्यों हुई दिल्ली के चुनाव में?

क्या इसका कारण है, कांग्रेस का यह महसूस करना कि जहाँ भी, जिस सीट पर, कांग्रेस का मजबूत प्रदर्शन होगा, वह वहाँ आप के ही वोट काटेगी और इसका लाभ भाजपा को ही मिलेगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। दिल्ली विधानसभा चुनावों के अवसर पर प्रियंका गांधी इतनी खामोश क्यों हैं?

न कोई जनसभा, न कोई रोड शो, न कोई ट्वीट, न कोई री-ट्वीट। दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में उनकी परिदृश्य में देर से प्रवेश किया, और ये प्रश्न पूछे जा रहे हैं कि आखिर ऐसा क्यों और कैसे हुआ।

इस बारे में आकलन और अनुमान यह है कि जिन-जिन विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की स्थिति अच्छी है तथा जहां वह पूरी ताकत से लड़ रही है, वहाँ वोट बंट सकते हैं और उन क्षेत्रों में भाजपा

- इसी कारण यहाँ तक माना जा रहा है कि भाजपा इस बार जीतने के लिये कांग्रेस पर ही ''निर्भर'' है।
- यहाँ यह भी रोचक सत्य है कि गहलोत व अन्य कुछ वरिष्ठ नेता, जो दिल्ली में कांग्रेस की गारंटियों की घोषणा करने आये थे, बाद में चुप हो गये थे और प्रियंका गांधी तक ने कांग्रेस की गारंटियों का मुद्दा नहीं उठाया था, बल्कि कांग्रेस के युवा नेता, जैसे सचिन पायलट व दीपेन्द्र सिंह हुडा, ने ही कांग्रेस के चुनाव प्रचार का बीड़ा उठाये रखा, दिल्ली के चुनाव में।

उपस्थिति कहीं दिखाई ही नहीं दे रही।

राहुल गांधी भी अभी-अभी सक्रिय हुये हैं। उन्होंने जनसभाएं सम्बोधित की हैं तथा बहुत सारे मुद्दों, जिनमें भ्रष्टाचार और दिल्ली का शराब घोटाला कांड भी शामिल हैं, को लेकर केजरीवाल पर प्रहार किये हैं।

कांग्रेस ने दिल्ली के चुनाव की जीत की संभावना बन सकती है।

इस चुनाव में, भाजपा यह मानकर चल रही है कि कांग्रेस उसे मुसीबत से निकाल सकती है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में जीतना भाजपा के लिये फिर भी आसान नहीं है, क्योंकि उनका एक सुनिश्चित वोट बैंक है, और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक और चुनाव आया और एक बार फिर बाबा राम रहीम पैरोल पर छूटे!

गत मंगलवार को बाबा तीस दिन के पैरोल पर रिहा किये गये, क्या इसका कारण है कि हरियाणा में नगरीय निकाय के चुनाव शीघ्र ही होने वाले हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। यह एक आम बात हो गई है। अब जबकि, दिल्ली विधानसभा चुनावों के साथ हरियाणा में नगर निकाय चुनाव होने वाले हैं तो रेप और हत्या के आरोपी, डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख, गुरमीत राम रहीम को फिर से जमानत पर रिहा कर दिया गया है। मंगलवार को बाबा 30 दिन की पैरोल पर जेल से बाहर आ गए।

गत वर्ष 20 जनवरी से राम रहीम 121 दिन जेल से बाहर रहे हैं। यह नवीनतम पैरोल एक साल में, चौथी रिहाई है और 24 अक्टूबर 2020 में वो पहली बार ऐसी सुविधा के लिए पात्र बने थे। उसके बाद से यह उनकी बारहवीं पैरोल है। वे 305 दिन जेल से बाहर

- गत एक वर्ष में, अब चौथी बार बाबा को पैरोल पर रिहा किया गया है।
- 24 अक्टूबर 2020 से, जबकि वे ''पैरोल'' पर रिहा होने के लिये कानूनी तरीके से हकदार हुए थे, अब तक उन्हें बारहवीं बार, पैरोल पर रिहाई मिली है, टोटल 305 दिन के लिये।
- क्या यह केवल इत्तिफाक ही है कि उनकी पैरोल पर रिहाई किसी न किसी चुनाव के सन्निकट ही होती है।
- बाबा राम रहीम के अनुयायी हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली व यूपी के कुछ इलाकों में फैले हुए हैं।

बिता चुके हैं।

इसे संयोग कहें या योजना, जेल से बाबा की रिहाई, उन राज्यों के विधानसभा चुनावों के समय पर हुई है, जिन राज्यों में उनके बड़ी संख्या में अनुयायी हैं। उदाहरण के लिए, गत वर्ष अक्टूबर और अगस्त में वो 41 दिनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो शरिया नहीं मानते उन पर उत्तराधिकार कानून लगाया जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से केरल निवासी नास्तिक मुस्लिम महिला की याचिका पर जवाब देने को कहा है, उक्त महिला ने याचिका में मांग की है कि जो व्यक्ति

- केरल की एक नास्तिक मुस्लिम महिला ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस संबंध में घोषणा करने की अपील की।

मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरिया लॉ) के दायरे में नहीं आना चाहता, उसके उत्तराधिकार के मामले देश के धर्मनिरपेक्ष कानून भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के तहत निपटाए जाने की घोषणा की जानी चाहिए। मुख्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.ओ.जी. ने हाईकोर्ट एल.डी.सी. भर्ती परीक्षा में धांधली का भंडाफोड़ किया

ब्लूटूथ से नकल कर नौकरी प्राप्त करने वाले 9 कनिष्ठ सहायक और एल.डी.सी. गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 29 जनवरी। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने हाईकोर्ट-एलडीसी भर्ती परीक्षा 2022 में ब्लूटुथ का प्रयोग कर नौकरी प्राप्त करने वाले 9 कनिष्ठ सहायक और एल.डी.सी. को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए उदयपुर और बीकानेर में सहित 9 जिलों की स्थानीय पुलिस की 10 टीमों द्वारा दबिश दी गई। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। इन आरोपियों को गुरूवार को अदालत में पेश किया जायेगा। जानकारी के अनुसार 18 अन्य आरोपी नामजद हैं, जिनके लिए एसओजी की टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एसओजी वी.के. सिंह ने बताया कि ईओ-आरओ भर्ती परीक्षा 2022 के पेपर लीक मामले में गिरफ्तार पोरव कालेर से पूछताछ में

- आरोपियों को पकड़ने के लिए उदयपुर और बीकानेर सहित 9 जिलों की स्थानीय पुलिस की 10 टीमों ने एस.ओ.जी. के साथ मिलकर दबिश दी थी।
- ई.ओ.-आर.ओ. भर्ती परीक्षा 2022 के पेपरलीक मामले में गिरफ्तार हो चुके आरोपी पोरव कालेर से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर इन बदमाशों को पकड़ा गया।
- वी.के. सिंह का कहना है कि इस प्रकरण में 18 अन्य आरोपी नामजद हैं, जिनकी धरपकड़ के लिए एस.ओ.जी. टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। उन्होंने बताया कि पेपरलीक के सभी मामलों में अब तक 101 एफ.आई.आर. दर्ज की जा चुकी हैं और 263 अभ्यर्थियों को पकड़ा जा चुका है।

सामने आया कि उसकी गैंग ने हाईकोर्ट-एलडीसी भर्ती परीक्षा 2022 के दौरान अनुचित तरीके से पेपर हासिल कर उसे हल कर ब्लूटूथ के माध्यम से विभिन्न परीक्षा केन्द्रों के परीक्षार्थियों को दिया था।

इस तथ्य की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसओजी हरिप्रसाद सोमानी के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान 26 परीक्षार्थियों द्वारा बहुत ही सूक्ष्म ''ब्लूटूथ डिवाइस'' का उपयोग कर परीक्षा उत्तीर्ण करने के संबंध में साक्ष्य एकत्रित किए गए। यह डिवाइस इतनी छोटी होती हैं कि आमतौर पर यह नजर ही नहीं आती। इन्हें अभ्यर्थी द्वारा पहनने के बाद बाहर निकालने के लिए भी चिकित्सकीय मदद लेनी पड़ती है। इस प्रकरण में लगभग 18 से अधिक परीक्षार्थी संदेह की श्रेणी में हैं, जिसके संबंध में गहराई से जांच की जा रही है। इस मामले को दर्ज कर जांच एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाश शर्मा को सौंपी गई है।

वी.के. सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती परीक्षा 2022 12 व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्रदेश में अवैध निर्माणों पर कार्यवाही क्यों नहीं हुई'

जयपुर, 29 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में अवैध निर्माणों पर कार्रवाई नहीं होने और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पालना में कोताही बरतने के मामले में राज्य सरकार और जेडीए सहित अन्य से जवाब पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने ये आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था

- हाई कोर्ट ने जनहित याचिका पर राज्य सरकार व जेडीए से जवाब मांगा।

की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा है कि वह अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल और विज्ञान शाह को याचिका की कॉपी मुहैया कराए।

जनहित याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी और अधिवक्ता टीएन शर्मा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कुप्रबंधन व वीआईपी संस्कृति जिम्मेवार, महाकुंभ में ''मौनी अमावस्या'' पर हुए हादसे के लिये'

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 जनवरी। प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ में कई लोगों के घायल होने व मरने की खबरें आने के बाद विपक्ष ने केन्द्र सरकार और उत्तराखण्ड की योगी सरकार पर कुप्रबंध और वीआईपी कल्चर को तवज्जो का आरोप लगाया है।

यह हादसा तब हुआ, जब मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के लिए हजारों लाखों लोग महाकुंभ स्थल पर एकत्रित हो गए थे।

कांग्रेस ने केन्द्र सरकार और यूपी सरकार पर भगदड़ के लिए निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि प्रशासन का सीधा फोकस आम लोगों की बजाय वीआईपी लोगों पर है, इसीलिए यह हादसा हुआ है।

गांधी ने कहा वीआईपी कल्चर पर लगाम लगाई जानी चाहिए और सरकार को महाकुंभ में आने वाले आम लोगों के लिए बेहतर इंतज़ाम करने चाहिए।

बुधवार सुबह महाकुंभ स्थल पर लाखों श्रृद्धालु मौनी अमावस्या पवित्र स्नान के लिए इंतजार कर रहे थे कि तभी भगदड़ मच गई। आशंका है कि इसमें कई लोगों की जानें गई हैं।

हादसे को देख कर अखाड़े ने मौनी अमावस्या का पारम्परिक अमृत स्नान स्थगित कर दिया है। हालांकि, भक्तगण मुख्य घाट व अन्य घाटों पर मौनी अमावस्या का स्नान कर रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ स्थल पर भगदड़ में कई लोगों के घायल होने व मारे जाने की खबर बेहद हृदय विदारक है। पीड़ितों के प्रति हम गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।''

कांग्रेस प्रमुख ने एक्स पर लिखा,

- राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, सीपीएम के नेता, शिव सेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत तथा प्रियंका गांधी ने प्र.मंत्री मोदी की केन्द्रीय सरकार व योगी आदित्यनाथ की राज्य सरकार को दोषी माना हादसे के लिये।

इस हादसे के लिए कुप्रबंधन, बदइंतजामी और आम श्रृद्धालुओं की जगह वीआईपी मूवमैंट पर सरकार का विशेष ध्यान होना ज्यादा जिम्मेवार है। करोड़ों रूपए खर्च होने के बाद भी ऐसी अव्यवस्था निदंनीय है। अभी महाकुंभ का काफी समय बचा है। कई शाही स्नान और होने हैं। ऐसी दुखद घटना आगे न हो, इसके लिए सरकार को व्यवस्था में सुधार करना चाहिए। आम लोगों की जरूरत पर ध्यान देना चाहिए और वीआईपी कल्चर पर लगाम लगानी चाहिए।

खड़गे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पीड़ितों की मदद करने का आग्रह किया।

सपा प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि ''महाकुंभ में भारी अव्यवस्था से हुए हादसे का समाचार बेहद दुखद है। हमारी सरकार से अपील है कि गंभीर रूप से घायलों को एअर एम्बुलैंस से समीपवर्ती बैस्ट अस्पताल में पहुंचाया जाए तथा उन्हें तुरन्त चिकित्सा सहायता दी जाए। मृतकों की पहचान कर उनके शव उनके परिजनों को सौंपे जाएं या उनके घर भेजे जाए।''

उन्होंने लिखा, ''बिछड़ गए लोगों को उनके परिवार से मिलाया जाए। हैलिकॉप्टर का सदुपयोग कर हवाई निगरानी बढ़ाई जाए। शाही स्नान की जो परम्परा सतयुग से चली आ रही है, उसकी निरन्तरता कायम रखकर कार्य किए जाए तथा शाही स्नान की व्यवस्था की जाए।''

माकपा ने भी घटना पर दुख जताया है। राज्य सरकार पर निशाना साधा कि इससे योगी सरकार का कुप्रबंध उजागर हो गया है। भारी खर्च के बाद भी अव्यवस्था है, हम मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते है।

शिव सेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि ''महाकुंभ कोई कार्यक्रम नहीं, बल्कि आस्था का विषय है। अगर आप करोड़ों लोगों को बुलाते है तो क्या व्यवस्था है। महिलाएं सड़क पर सो रही हैं। अखिलेश के कार्यकाल में कुंभ की व्यवस्थाएं बेहतरीन थी। जब केन्द्रीय मंत्री और वीआईपी आते हैं तो व्यवस्था पर दबाव पड़ता है। पूरा शहर बंद करना पड़ता है। हादसे में दस से ज्यादा लोग मरे हैं। मुझे लगता है, यह हत्या है, जिसका जिम्मेवार प्रशासन है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, ''प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ के कारण कई लोगों के घायल होने और मरने के समाचार बेहद दुखदायी हैं। मैं शोक संतृप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।''

गांधी ने एक्स पर लिखा, ''बदइंतजामी और प्रशासन का ध्यान आम लोगों की बजाय वीआईपी पर होना, इस हादसे के लिए जिम्मेवार है। गांधी ने कहा, अभी महाकुंभ में काफी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या बिहार में स्कूल बच सकेंगे?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय गीत कट्टा (देशी पिस्तौल) से धमकाने के बारे में है, जो लोगों को बिहार में आने की दुस्साहस करने की चुनौती देता है। दूसरी तरफ, बिहार के गणतंत्र दिवस समारोह में वहाँ की समृद्ध बौद्ध संस्कृति प्रस्तुत की गई

- 54,000 करोड़ रूपए का सालाना बजट और मात्र 20 प्रतिशत उपस्थिति, इतनी दयनीय दशा ने बिहार में स्कूलों के भविष्य पर सवाल खड़ा कर दिया है।

है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनका प्रशासन राज्य की कट्टे वाली छवि को साफ करने की भरसक कोशिश कर रहे हैं तथा शिक्षा पर फोकस कर रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)